हिन्दी विभाग का संक्षिप्त इतिहास

हिन्दी महाविद्यालय नल्लाकुंटा विद्यानगर के हिन्दी विभाग की स्थापना वर्ष १९६१ में हुई थी। हिन्दी विभाग द्वारा यूजी तथा पीजी कोर्सेज की शिक्षा दी जा रही है। छात्रों के उन्नत भविष्य को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के कौशल विकसित करने वाले कोर्सेज को भी हिन्दी माध्यम के छात्रों के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

हिन्दी महाविद्यालय द्वारा शिक्षा प्राप्त छात्र नगरद्वय तथा विभिन्न सरकारी क्षेत्रों में यशस्वी रूप से अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। हिन्दी महाविद्यालय का हिन्दी विभाग महाविद्यालय की एक सशक्त कड़ी करे रूप में हमेशा से ही अपना परचम लहराता रहा है।

उद्देश्य :

१. स्वतंत्र सोच और समस्या समाधान की आदत विकसित करना।
२. छात्रों के लिए रोजगार की संभवनाओं को विकसित करना।
३. छात्रों को हिन्दी के क्षेत्र में उपस्थित वर्तमान मुद्दों और चुनौतियों से अवगत करना और उन पर उनका ध्यान केंद्रीत करवाना।
४. छात्रों को इस प्रकार से प्रशिक्षित करना कि वे व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक जीवन में आने वाली विभिन्न समस्याओं को हल करने में व्यावहारिक रूप से सक्षम बन सके।

परिणाम :

१. कार्यक्रम परिणाम : छात्रों को हिन्दी में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करना।
२. छात्रों में व्यवहारिक परिस्थितियों का अवलोकन करते हुए तार्किक निष्कर्ष निकालने का कौशल विकसित करना।
३. तथ्यों और आँवड़ों की व्याख्या करने या समझाने में नए विचारों को प्रस्तावित करने के लिए रचनात्मक रूप से सोचने में सक्षम समस्या के नए समाधान प्रदान करना।

४. छात्रों के सतत विकास और समस्याओं के लिए बेहतर समाधान और नए विचार प्रदान करने में सहायता प्रदान करना।

कोर्स परिणाम :

१. जीवन की किसी भी समस्या को हल करने के लिए छात्रों को तैयार करना।
२. जीवन की अवधारणाओं से छात्रों को अवगत करना।
३. मूर्त तथा अमूर्त शिक्षण पद्धति द्वारा छात्रों में कौशल विकसित करना।
४. वास्तविक परिस्थितियों का विश्लेषण, जटिल परिस्थितियों के विश्लेषण और उनके अनुप्रयोगों की अवधारणा को समझाना।

छात्रों में विकसित योग्यताएँ :

१. छात्रों में योग्यता का निर्माण करना।
२. सामाजिक तथा राजनैतिक परिस्थितियों को समझने में मदद करना।
३. आगामी जीवन में आने वाली परिस्थितियों को समझते हुए यथास्थिति व्यवहार करना।
४. जीवन के यथार्थ की जानकारी से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम

१. स्नातक स्तर: बी.ए., बी.कॉम (जनरल)
२. स्नातकोत्तर : ए. एम. (हिन्दी)

वर्तमान संकाय:

नाम	योग्यता	पद	विशेषज्ञता
डॉ. रजनी धारी	एम.ए., एम. फिल, बी.एड., पी.जी.डी.टी (डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन), पी.एच.डी.	असोसिएट प्रोफेसर (हिन्दी विभागाध्यक्ष)	हिन्दी साहित्य, पत्रकारिता, जनसंचार, अनुवाद,

डॉ. जयलक्ष्मी	एम.ए., एम. फिल, सेट, नेट, पी.एच.डी.,	असिसटेंट प्रोफेसर	हिन्दी साहित्य का इतिहास,
डॉ. पुष्पवल्ली		असिसटेंट प्रोफेसर	हिन्दी साहित्य का इतिहास
डॉ. अविनाश जायसवाल	एम.ए., एम.फिल, पी.जी.डी.टी (डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन), पी.जी.डी.टी (डिप्लोमा थेटर आर्ट्स), पी.एच.डी., एलएलबी	असोसिएट प्रोफेसर	अनुवाद, आधुनिक हिन्दी काव्य
श्री बालाजी	बी.एड., एम.ए., पी.एच.डी. (जारी)	असिसटेंट प्रोफेसर	हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्यचर्या पहलु :

१. छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान से अवगत कराने के लिए परियोजना कार्य को पाठ्यक्रम को शामिल किया गया है।
२. राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में छात्रों को स्थान प्रदान करने के लिए उसके अनुसार पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है।
३. छात्रों को हिन्दी साहित्य के परिचय के साथ-साथ विभिन्न साहित्यों के बारे में जाकारी प्रदान करना चाहिए।

पाठ्यचर्या संवर्धन कार्यक्रम :

पाठ्यचर्या को समृद्ध बनाने के लिए विभाग ने निम्नलिखित पहल की है।

१. विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा अतिथि व्याख्यान की व्यवस्था की जाती है, जिससे छात्रा संबंधित विषय में अपने ज्ञान को समृद्ध कर सकें।
२. छात्रों को विभिन्न विषयों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोजेक्ट वर्क दिए गए हैं।

३. छात्रों को जॉब ओरिएंटेड प्रोग्राम के माध्यम के अंतर्गत संप्रेक्षण कौशल, भाषा कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है।

४. मानवीय मूल्यों और नैतिकता को विकसित करने के उद्देश्य से, छात्रों को 'मूल्य शिक्षा और नैतिकता को उनके नियमित विषयों के साथ एच्छिक विषयों के रूप में जोड़ा जाता है।

विभागीय गतिविधियाँ :

हिन्दी विभाग के स्थापना दिवस १९६१ से लेकर आज तक हिन्दी विभाग
निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

१. वर्ष २०१६-१७ में दिसंबर माह में अर्ध दिवसीय संगोष्ठी विषयक **संप्रेषण कौशल** के आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी द्वारा हिन्दी महाविद्यालय के सभी छात्र और छात्राओं को लाभ प्राप्त हुआ क्योंकि हिन्दी विभाग के प्राध्यापकों द्वारा संप्रेषण कौशल विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई।

२. २०१७-१८ में २२ जुलाई २०१७ को हिन्दी विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
विषयक **हिन्दी की उन्नति में अनुवाद का योगदान** का आयोजन किया गया।
इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय से प्रो. शुभदा वांजपे और
विवेक वर्धिनी कॉलेज से प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ.डी. विद्याधर जी ने अपने-अपने वक्तव्य
प्रस्तुत किए। विभिन्न कॉलेजों से पधारे प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने संगोष्ठी में सहभागिता दी।
संगोष्ठी में आए-प्रपत्रों को पुस्तकाकार रूप प्रदान किया गया है।

३. दिनांक २२/७/२०१७ को 'हिन्दी की उन्नति में अनवुाद का योगदान विषयक' राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

४. १४/९/२०१७ हिन्दी दिवस मनाया गया, इसमें हिन्दी विभाग के प्राध्यापकों द्वारा प्रपत्र वाचन किया गया, तथा बी.ए. के छात्रों द्वारा कविता प्रस्तुत की गयी, गृहमंत्री माननीय राजनाथ सिंह का संदेश पढ़ा गया।

५. २४/२/२२ को हिन्दी भाषा कौशल पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें गवर्नेमेंट डिग्री कॉलेज फार वुमेंस के प्राचार्य डॉ. घनश्याम ने व्याख्यान प्रस्तुत किया।

६.१४/९/१९ को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. ऋषभदेव शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि मंजुला राणा उपस्थित थीं। उन्होंने हिन्दी भाषा से जुड़े कई तथ्यों तथा कहानियों को अनूठे तरीके से व्यक्त किया।

७. १० जनवरी २०२० को विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इसमें इंटर तथा स्नातक के छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक वाई. रविंद्रनाथ थे।

८. १४/९/१८ को हिन्दी दिवस मनाया इसमें महाविद्यालय के छात्रों ने कविता एवं भाषण प्रस्तुत किया।

९. १४ सितंबर २०२० को ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. एस. वीएसएस नारायण राजू, डीन तमिलनाडु विश्वविद्यालय तथा प्रो.सत्यकाम इग्नू प्रो. वाइस चांसलर उपस्थित थे।

१०. १४/९/२०२१ को हिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. शुभदा वांजपे ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण में हिन्दी की भूमिका विषय पर प्रभावशाली भाषण दिया।

११. १३/८/२०२२ आजादी के अमृत महोत्सव की विकास यात्रा विषय पर प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने गहन रून से प्राकश डाला।

१२. १४/९/२०२२ को हिन्दी दिवस मनाया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कवि डॉ. अनंत काबरा थे। उन्होंने हिन्दी की विकास यात्रा विषय पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

विभागीय गतिविधियों के चित्र:

हिन्दी महाविद्यालय तथा निजाम कॉलेज के तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी।

हिन्दी दिवस पर आयोजित विशेष व्याख्यान।

हिन्दी दिवस के अवसर उपस्थित मुख्य अतिथि के साथ विभागीय छायाचित्र।

संकाय द्वारा अनुसंधान की गतिविधियाँ:

विभाग के पास अनुभवी और योग्य प्रोफ़ेसर है।

१. **नाम - डॉ. रजनी धारी** (हिन्दी विभागाध्यक्ष)

हिन्दी प्रवक्ता

शैक्षणिक अनुभव

१. सिटी पब्लिक स्कूल में एक वर्ष तक हिन्दी अध्यापक के रूप में कार्य किया।

२. हिन्दी महाविद्यालय में २०११ से लेकर आज तक सक्रिय रूप से कार्यरत हूँ।

शैक्षिक योग्यता :

स्कूली शिक्षा विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों में संपन्न हुई।

१. स्नातक की डिग्री हिन्दी महाविद्यालय में प्रथम श्रेणी में पूर्ण की

्२. स्नातकोत्तर की डिग्री हिन्दी महाविद्यालय में प्रथम श्रेणी में प्राप्त की।

३. बी.एड. की डिग्री दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा खैरताबाद से प्राप्त की।

४. एम.फिल की उपाधि दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा से प्राप्त की

५. अनुवाद डिप्लोमा डिग्री दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा से प्राप्त की।

६. पी.एच.डी. की उपाधि दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा खैरताबाद से प्राप्त की।

११. हिन्दी महाविद्यालय में २२ जुलाई २०१७ को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषयक हिन्दी की उन्नति में अनुवाद का योगदान संगोष्ठी का आयोजन किया ।

१२. सेंट जोसेफ स्कूल आसमानगढ़ में हिन्दी दिवस के अवसर पर वर्ष २०१६-१७ में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित।

१३. कोटी स्थित आंधा बैंक में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित।

१४. केंद्रीय हिन्दी संस्थान में प्रयोजनमूलक हिन्दी और विज्ञापनों के महत्व पर विशेष व्याख्यान के लिए ५ बार आमंत्रित किया गया।

१५. केंद्रीय हिंदी संस्थान मे ंहिन्दी व्याकरण पर विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

१६. मध्यप्रदेश भोपाल के दैनिक नवप्रदेश में दो कविताएँ प्रकाशित हुईं।

१७. हिन्दी महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रपत्र वाचन किया और प्रपत्र पुस्तक में प्रकाशित भी है।

१८. हिंदी महाविद्यालय के बी. वोकेशनल विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बहुभाषिकता के लाभ पर अंगेजी में प्रपत्र वाचन किया और प्रपत्र पुस्तक में प्रकाशित भी है।

१९. निजाम कॉलेज में (सी.बी.सी.एस) नई प्रणाली में स्नातक द्वितीय वर्ष के पाठ्यकम पर चर्चा के लिए आयोजित कार्यशाला में अध्यक्ष, संचालक के रूप में भूमिका अदा की।

२०. हिन्दी अकादमी, हैदराबाद द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संकल्य व्याख्यान माला विषयक विवेकी राय और गाम जीवन में उपस्थित रहकर सकिय सहयोग प्रदान किया।

२१. अंगेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विषयक अमरकांत एवं श्रीलाल शुक्ल के साहित्य में व्यवस्था की विडंबना संगोष्ठी में भाग लिया।

२२. उस्मानिया विश्वविद्यालय में ३ वर्षों से स्नातक स्तर की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में भाग लिया।

२२. हिन्दी की उन्नति में अनुवादक का योगदान पुस्तक प्रकाशित हो गई है।

२३. स्टेट लाइबर्री (अफजलगंज) में बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्यरत

२४. विभिन्न कॉलेज-भवन्स तथा उस्मानिया विश्वविद्यालय में बोर्ड ऑफ स्टडीज में सम्मिलित

२५. निजाम कॉलेज तथा आंधा महिला सभा में परीक्षक के रूप में कार्यरत

२५. रेडियो चारमीनार १०७.८ में मुख्य अतिथि हिन्दी दिवस पर आमंत्रित

२६. हिंन्दी जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा हिन्दी दिवस पर हिन्दी प्रचार प्रसार के लिए सम्मानित

२७. केनरा बैंक हैदराबाद अंचल कार्यालय में हिन्दी दिवस मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित

२८. सेंट पायस कॉलेज में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित।

२९. समांकित भारतीय साहित्य संस्थान बस्ती उत्तर-प्रदेश स्वर्गीय मधुर नारायण मिश्र हिन्दी सेवा सम्मान की प्राप्ति।

नाम – डॉ. जयलक्ष्मी चंद्रय्या

पद – हिन्दी प्रवक्ता

१. शैक्षणिक योग्यताएँ

एम.ए. (हिन्दी) नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर

एम.फिल.(हिन्दी) यशवंतराव चव्हान महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नाशिक

पीएच डी (हिन्दी) उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

२. अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यताएँ

१. राष्ट्रभाषा रत्न (हिन्दी) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा

२. सेट - यूजीसी, पुणे

३. नेट - यूजीसी, दिल्ली

३. अध्यापन अनुभव

१. जनवरी २००५ से २००७ तक विद्या विकास आर्ट्स और कॉमर्स, डिगी और पी.जी. महाविद्यालय समुदपुर में डिग्री की हिन्दी प्राध्यापिका के रूप में कार्य किया।

३. २० जुलाई २०१७ से हिन्दी महाविद्यालय, हैदराबाद में हिन्दी प्रवक्ता के रूप में कार्यरत हैं।

४. सेमिनार, संगोष्ठी, अधिवेशन सम्मेलन कार्यशाला सहभागिता

१. राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार -४

२. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार-३

३. अधिवेशन सम्मेलन -२

४. कार्यशाला – २

५. प्रकाशित शोधलेख-१५

१. ५ शोधालेख यूजीसी मान्यता प्राप्त पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

२. १ शोधालेख राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हुआ।

३. ४ शोधालेख अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हुए।

४. विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रपत्र वाचन किया।

५. लगभग ३० राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय, संगोष्ठियों कार्यशालाओं एरां वेबिनारों सहभागिता की।

६. संपादन कार्य - वैश्विक संदर्भ में अनुवाद की भूमिका (पुस्तक का सहसंपादन)

७. यशपाल के कथा साहित्य में आम आदमी की अवधारणा पुस्तक का संपादन।

छात्र केंद्रित गतिविधियाँ :

१. छात्र सेमिनार और असाइनमेंट

२. छात्र परियोजनाएँ

३. पीपीटी द्वारा कक्षाएँ लेना

४. अध्ययन भ्रमण

५. सामूहिक चर्चा

६. हिन्दी साहित्य के इतिहास जुड़े प्रश्नोत्तरी

मूल्यांकन प्रक्रिया

७. छात्रों का सतत मूल्यांकन किया जाता है।

८. आंतरिक परीक्षाएँ आयोजित करना

९. छात्रों के लिए सेमिनार आयोजित करना

१०. सेमेस्टर परीक्षा

११. अकादमिक ऑडिट

छात्र समर्थन और प्रगति :

१. अधिकांश छात्र राज्य सरकार के द्वारा छात्रवृत्ति योजना के तहत लिए गए है।

२. छात्रों के पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों के सेट प्रदान किए जाते है।

३. हमारी पूर्व छात्र सदस्य विभिन्न संस्थाओं में विभिन्न पदो ंपर कार्यकरत है और कुछ स्वरोजगार में लगे हुए है।

४. छात्रों को सभी विषयों के लिए पुस्तकालय से पुस्तकें प्रदान की जाती है, जो उनकी सिखने की प्रक्रिया में सहायक होती है।

५. विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है।

६. छात्रों को सॉफ्ट स्किल्स, कम्युनिकेशन स्किल्स की शिक्षा प्रदान की जाती है।

७. रियायती बस पास और ट्रेन पास की सुविधा प्रदान की जाती है।

नवोन्मेष और सर्वोत्तम अभ्यास :

१. प्रति वर्ष १४ दिसंबर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

२. प्रति वर्ष १० जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम रखा जाता है।

विभागीय भावी योजनाएँ :

१. राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठी आयोजित करना।

२. लघु अनुसंधान परियोजना के लिए आवेदन करना।

३. अधिक संख्या में अतिथि व्याख्यान आयोजित करना।

४. अतिथि व्याख्यान के लिए प्रबुद्ध भाषाविद तथा साहित्यकारों को आमंत्रित करना।

५. छात्रों को फिल्ड ट्रीप पर ले जाना।

६. नेट तथा सेट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं की कोंचिंग प्रदान करना।

५. **नाम** – डॉ. ए. पुष्पवल्ली

पद – हिन्दी प्रवक्ता

१. शैक्षणिक योग्यताएँ

एम.ए. (हिन्दी) हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

एम.फिल.(हिन्दी हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

पीएच डी (हिन्दी) हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

२. अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यताएँ

१. पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन

३. अध्यापन अनुभव

१. १९९१ से मार्च २०१६ होली क्रास डिग्री कॉलेज फॉर वुमेन।

२. २०१७ से २०१९ बुद्रका कॉलेज ऑफ कॉमर्स

३ २०१७ से २०१९ हिन्दी के अलावा एथिक्स और पर्यावरण विज्ञान।

४. २०१९ से अब हिन्दी महाविद्यालय में।

४. सेमिनार, संगोष्ठी, अधिवेशन सम्मेलन कार्यशाला सहभागिता

१. राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार -१०

२. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार-५

३. अधिवेशन सम्मेलन -५

४. कार्यशाला – २

५. प्रकाशित शोधलेख-१५

१. २ शोधालेख यूजीसी मान्यता प्राप्त पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

२. १ शोधालेख राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हुआ।

३. विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रपत्र वाचन किया।

४. लगभग २५ राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय, संगोष्ठियों कार्यशालाओं एरां वेबिनारों सहभागिता की।

६. उपलब्धियाँ

१. २००२ धर्मभारती के द्वारा छह दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित नैतिक शिक्षा कार्यक्रम में भाग लिया ।

२. एपी एड्स कंट्रोल सोसायटी द्वारा आयोजित १५ दिवसीय ट्रेनिंग में सक्रिय भाग लिया।

३. मेदक में स्थित ओडीएफ कंपनी में हिन्दी दिवस के उलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

४. २००८ बेस्ट हिन्दी टिचर्स अवार्ड बीएचइएल द्वारा दिया गया।

५. भारतीय विद्या भवन्स पब्लिक स्कूल बीएचइल में वार्षिक नियंत्रण की टीम के सदस्य के रूप में नियुक्त।

६. भारतीय विद्या भवन्स पब्लिक स्कूल में हिन्दी अध्यापक के नियुक्ती कमेटी में मेंबर।

७. रामाकृष्णा मठ के द्वारा आयोजित २०१८-२०१९ में युवा संघर्ष में कई छात्र-छात्राओं को भाग लेने में प्रोसिहित किया और पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

नाम- डॉ. अविनाश जायसवाल

प्रवक्ता – हिन्दी महाविद्यालय

शैक्षणिक अनुभव

१. निजी कॉलेज और ओयू सीडब्ल्यू, कोठी, हैदराबाद में हिन्दी विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य किया।
२. निजाम कॉलेज हैदराबाद के प्रभारी मूल्यपाल के रूप में काम किया।
३. निजाम कॉलेज हैदराबाद के उप-प्रचार्य के रूप में काम किया।
४. मैस वार्डन, निजाम कॉलेज के रूप में काम किया।
५. वार्डन निजाम कॉलेज हैदराबाद के रूप में कार्य किया।
६. एएनओ, एनसीसी कंपनी निजाम कॉलेज के रूप में किया।
७. कार्यक्रम अधिकारी निजाम कॉलेज यूनिट एनएसएस हैदराबाद यूनिट के रूप में काम किया।
८. छात्र सलाहकार के रूप में कार्य किया।
९. निदेशक छात्र मामले में कार्य किया।
१०. सत्यापन अधिकारी हैल्पलाइन सेंटर में काम किया।
११. २००६ से २०१७ तक ऑनलाइन काउंसलिंग सेंटर ओयू में सत्यापन अधिकारी के रूप में काम किया।

शैक्षिक योग्यता :

१ एम.ए. (हिन्दी) (स्वर्ण पदक) विजेता उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।

्२. एम.फिल उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।

३.पी.एचडी उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।

४. पीजीडीटी अनुचवाद डिप्लोमा उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।

५. रंग मंच कला में पीजी डिप्लोमा उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।

६. एलएलबी डॉ. बी.आर. अंबेडकर लॉ कॉलेज, हैदराबाद।

नाम – बालाजी

प्रवक्ता – हिन्दी महाविद्यालय

बी.एड, एम.ए., पी.एच.डी., आंधप्रदेश टेट उत्तीर्ण -२०११,

राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों में भाग लिया जिनकी संख्या ३

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया जिनकी संख्या २ है।

राष्ट्रीय स्तर पर दो आलेख प्रस्तुत किए पुस्तके प्रकाशाधीन है।

एम.ए. के स्तर पर निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त, एम.ए. के स्तर पर भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त।

शैक्षिक अनुभव

१. जाह्ववी डिग्री कॉलेज में २०१४ से २०२० तक हिन्दी प्राध्यापक के रूप में कार्य किया।

शैक्षिक योग्यता :

१. स्नातक की डिग्री सरकारी डिग्री कॉलेज बिचकुंदा से प्राप्त किया।

२. स्नातकोत्तर की डिग्री सिकंदराबाद पी.जी. कॉलेज से प्रथम श्रेणी में प्राप्त की।

३. बी.एड. की डिग्री एम.एन.आर. कॉलेज संगारेड्डी से प्राप्त की।

४. अनुवाद डिप्लोमा निजाम कॉलेज से उत्तीर्ण किया।

५. पी.एच.डी. उस्मानिया युनिवर्सिटी से कर रहा हूँ (पंजीकरण वर्ष २०१७ से २०२३)।